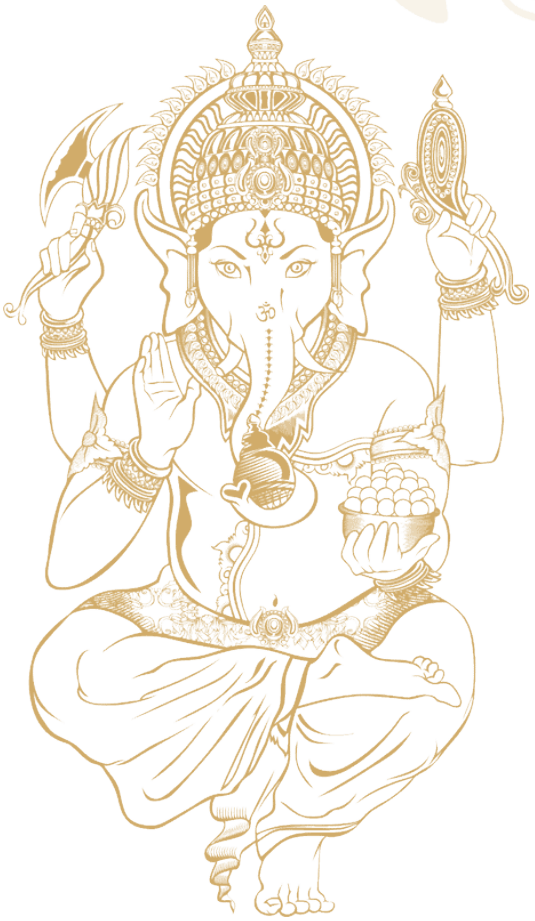

H

31 May 1992

01:30 PM

Phagwara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121842104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/05/1992**
दिन	रविवार
जन्म समय	**13:30:00 घंटे**
इष्ट	20:15:10 घटी
स्थान	**Phagwara**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:14:00 उत्तर
रेखांश	75:46:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:03:04 घंटे
वेलान्तर	00:02:21 घंटे
साम्पातिक काल	05:39:20 घंटे
सूर्योदय	05:23:56 घंटे
सूर्यास्त	19:25:35 घंटे
दिनमान	14:01:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:21:33 वृष
लग्न के अंश	01:47:25 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:47:25	311:24:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			वृष	16:21:33	00:57:32	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	05:28:50	13:55:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	25:34:22	00:45:05	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	15:55:37	02:12:00	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	12:14:59	00:05:13	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृष	12:43:53	01:13:43	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि	व		मक	24:43:37	00:00:16	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु	व		धनु	06:58:32	00:02:25	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	06:58:32	00:02:25	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	23:39:00	00:01:45	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप	व		धनु	24:46:37	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	27:17:25	00:01:34	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	01:30:24	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:20

लग्न-चलित

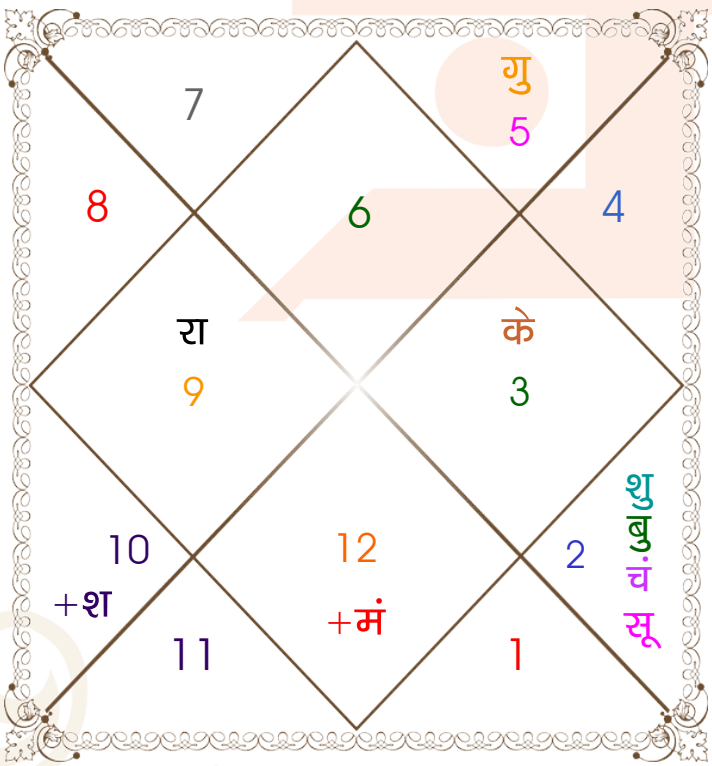

चन्द्र कुंडली

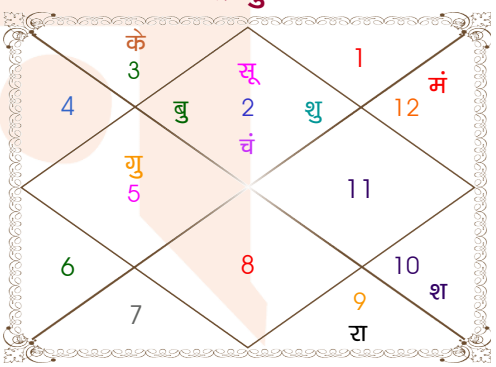

नवमांश कुंडली

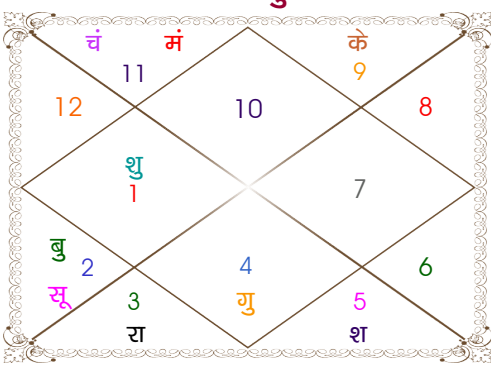

AR JYOTISH KENDRA
VPO. JANDIALA DISTT. JALANDHAR
9915564608
arjyotish80@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 0 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/05/1992		13/06/1994		12/06/2004		13/06/2011		13/06/2029	
13/06/1994		12/06/2004		13/06/2011		13/06/2029		13/06/2045	
	00/00/0000	चंद्र	13/04/1995	मंगल	09/11/2004	राहु	23/02/2014	गुरु	01/08/2031
	00/00/0000	मंगल	12/11/1995	राहु	27/11/2005	गुरु	19/07/2016	शनि	11/02/2034
	00/00/0000	राहु	13/05/1997	गुरु	03/11/2006	शनि	26/05/2019	बुध	19/05/2036
	00/00/0000	गुरु	12/09/1998	शनि	13/12/2007	बुध	12/12/2021	केतु	25/04/2037
	00/00/0000	शनि	13/04/2000	बुध	09/12/2008	केतु	31/12/2022	शुक्र	25/12/2039
	31/05/1992	बुध	12/09/2001	केतु	07/05/2009	शुक्र	31/12/2025	सूर्य	12/10/2040
बुध	05/02/1993	केतु	13/04/2002	शुक्र	07/07/2010	सूर्य	24/11/2026	चंद्र	11/02/2042
केतु	13/06/1993	शुक्र	13/12/2003	सूर्य	12/11/2010	चंद्र	25/05/2028	मंगल	18/01/2043
शुक्र	13/06/1994	सूर्य	12/06/2004	चंद्र	13/06/2011	मंगल	13/06/2029	राहु	13/06/2045

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
13/06/2045		12/06/2064		13/06/2081		12/06/2088		13/06/2108	
12/06/2064		13/06/2081		12/06/2088		13/06/2108		00/00/0000	
शनि	15/06/2048	बुध	09/11/2066	केतु	09/11/2081	शुक्र	13/10/2091	सूर्य	01/10/2108
बुध	24/02/2051	केतु	06/11/2067	शुक्र	09/01/2083	सूर्य	12/10/2092	चंद्र	02/04/2109
केतु	03/04/2052	शुक्र	06/09/2070	सूर्य	17/05/2083	चंद्र	13/06/2094	मंगल	07/08/2109
शुक्र	04/06/2055	सूर्य	14/07/2071	चंद्र	16/12/2083	मंगल	13/08/2095	राहु	02/07/2110
सूर्य	16/05/2056	चंद्र	12/12/2072	मंगल	13/05/2084	राहु	13/08/2098	गुरु	20/04/2111
चंद्र	15/12/2057	मंगल	09/12/2073	राहु	31/05/2085	गुरु	14/04/2101	शनि	01/04/2112
मंगल	24/01/2059	राहु	28/06/2076	गुरु	07/05/2086	शनि	13/06/2104	बुध	01/06/2112
राहु	30/11/2061	गुरु	04/10/2078	शनि	16/06/2087	बुध	14/04/2107		00/00/0000
गुरु	12/06/2064	शनि	13/06/2081	बुध	12/06/2088	केतु	13/06/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।